ब्यावर के जैतारण में 100 मीटर लंबे तिरंगे के साथ 'तिरंगा रैली' निकली

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के नेतृत्व में निकाली रैली में उमड़ा जनसैलाब

जयपुर/ब्यावर। "हर घर तिरंगा अभियान" के तहत ब्यावर जिले में आयोजित हो रहे राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की श्रृंखला में जैतारण में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के नेतृत्व में निकली रैली में 100 मीटर लंबा तिरंगा आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। हाथों में तिरंगा थामे बड़ी संख्या में शामिल लोगों ने देशभक्ति के नारों से पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। रैली में आमजन ने उत्साह एवं उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और गौरव की भावना व्यक्त की।

जैतारण में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत के नेतृत्व में भव्य तिरंगा रैली निकाली गई।

- रैली से नागरिकों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया

जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों, युवाओं, महिलाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने तिरंगा हाथ में लेकर रैली में भाग लिया और 'हर घर तिरंगा' अभियान का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

तिरंगा रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। मार्ग में आमजन ने तिरंगे का स्वागत करते हुए रैली में शामिल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। देशभक्ति गीतों और नारों से जैतारण का माहौल राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नजर आया। रैली ने नागरिकों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम की भावना को और मजबूत करने का संदेश दिया।

कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। 'हर घर तिरंगा अभियान' प्रत्येक नागरिक को राष्ट्र के प्रति अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने आमजन से अपने घरों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आव्हान किया।

रैली में बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने जैतारण में राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता की मजबूत तस्वीर प्रस्तुत की। आयोजन ने 'एक तिरंगा-एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को साकार करते हुए जिले में हर घर तिरंगा अभियान को जनअभियान बनाने का संदेश दिया।

निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान महिला की मौत

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में बुधवार को इलाज के दौरान एक 26 साल की महिला की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने करीब डेढ़ घंटे तक क्लिनिक के बाहर हंगामा किया। गुस्साए परिजनों ने क्लिनिक के बाहर लगा बोर्ड भी तोड़ दिया हालांकि इससे पहले ही डॉक्टर क्लिनिक बंद करके वहां से भाग गया।

- गुस्साए परिजनों ने क्लिनिक पर हंगामा किया, डॉक्टर क्लिनिक बंद करके भाग गया

घटना बुधवार सुबह नौ बजे बापू बाजार स्थित डॉ. बख्तारवारलाल क्लिनिक की है। मृतका की पहचान श्रद्धा तेली (26) निवासी रामपुरा, अंबाबाड़ी के रूप में हुई है। माहौल गर्माता देख डीएसपी छवि शर्मा और सूरजपोल थानाधिकारी सूर्यभान सिंह भी जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश की। परिजन क्लिनिक को सीज करने, डॉक्टर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और मुआवजे की मांग पर अड़ गए। करीब डेढ़ घंटे तक चले हंगामे के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद परिजन और समाज के लोग मोर्चरी आ गए। लोगों का कहना था कि मांग पूरी नहीं होने तक वे शव नहीं उठाएंगे।

मृतक के ससुर शिवलाल ने बताया कि पेट दर्द की शिकायत पर श्रद्धा को इलाज के लिए क्लिनिक ले गए थे। वहां डॉक्टर ने श्रद्धा की जांच करते हुए ग्लूकोज की ड्रिप चढ़ाई। मैं पास ही बैठा था। एक ड्रिप खत्म होने पर दूसरी ड्रिप लगाई। जिसमें एक इंजेक्शन भी लगाया। जिसके बाद श्रद्धा की तबीयत अचानक बिगड़ती गई और उसके मुंह से झाग आने लगे और वह तडपते हुए बेहोश हो गई। मैंने तुरंत डॉक्टर को बताया तो वह कुछ संतुष्ट जबाव नहीं दे सका। उसी डॉक्टर ने तुरंत एंबुलेंस बुलाकर बहू को एक अन्य निजी जागृत हॉस्पिटल रेफर किया। जहां डॉक्टरों ने श्रद्धा को मृत घोषित कर दिया। पति हरीश तेली ने बताया कि पत्नी को पेट दर्द की शिकायत थी। वह घर से अच्छी हालत में ही निकली थी। मुझे अफसोस है कि मैं पत्नी को यहां नहीं भेजता तो उसकी ये हालत नहीं होती। ऐसे क्लिनिक को तुरंत सीज किया जाए। डॉक्टर ने परामर्श पर्ची पर जागृति हॉस्पिटल रेफर किए जाने की बात लिखी थी, जिसे डॉक्टर ने बाद में पेन से गोला करके मिटा दिया जबकि सरकारी हॉस्पिटल में रेफर करना चाहिए था।

जहरीले जानवर के काटने से महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दोवड़ा थाना क्षेत्र में एक महिला की जहरीले जानवर के काटने से मौत हो गई। महिला खेत में घास काट रही थी, तभी उसे जहरीले जानवर ने काट लिया। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। एएसआई नारायणलाल खराड़ी ने बताया कि पगारा फला निवासी सोमा परमार ने इस संबंध में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार उनकी पत्नी गणि देवी बुधवार को घर के पास खेत में मवेशियों के लिए घास काट रही थी। इसी दौरान उनके बाएं हाथ की उंगली पर किसी जहरीले जानवर ने काट लिया, जिससे उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। महिला के बेटे उमेश और अन्य परिजन डूंगरपुर जिला अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने उनका उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

सिंगला-रूपनगढ़ सिंचाई परियोजना के विरोध में किसानों का प्रदर्शन

अजमेर, (कासं)। सिंगला-रूपनगढ़ सिंचाई परियोजना के विरोध में चार गांवों के पीड़ित किसानों ने बुधवार को भारी संख्या में एकत्रित होकर कलैक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। किसान अपनी जमीनों के अधिग्रहण के विरोध में सड़कों पर उतरे और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसान संघर्ष समिति के बैनर तले करीब 100 ट्रैक्टरों का काफिला रूपनगढ़ से 52 किलोमीटर का लंबा सफर तय करके अजमेर पहुंचा। किसानों के इस भारी हुजूम को देखते हुए प्रशासन पहले से ही मुस्तैद था और ट्रैक्टरों को रोकने के लिए कलैक्ट्रेट से करीब डेढ़ किलोमीटर पहले ही शास्त्री नगर पुलिस चौकी के पास क्रेन, डंपर और भारी बैरिकेड्स लगाकर रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया गया था। रास्ता रोके जाने से किसान भड़क गए और उन्होंने सड़क पर ही धरना देना शुरू कर दिया। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

- 100 ट्रैक्टरों के साथ किसान अजमेर पहुंचे, पुलिस ने रोका तो पैदल जाकर कलैक्ट्रेट का घेराव किया
- कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 1000 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे

सड़क पर काफी गहमा-गहमी और पुलिस की समझाइश के बाद आखिरकार किसानों को पैदल ही कलैक्ट्रेट जाने की अनुमति दी गई, जिसके बाद उन्होंने कलेक्ट्रेट पहुंचकर घेराव किया और जिला कलैक्टर लोक बंधु को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। जिला कलैक्टर ने किसान प्रतिनिधिमंडल से बातचीत के बाद बताया कि किसानों के विषयों पर चर्चा हुई है और उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस मामले में एक कमेटी बनाकर जांच करवाई जाएगी। साथ ही किसानों ने जो सूचनाएं मांगी हैं, उनकी कॉपी भी उन्हें उपलब्ध करा दी जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में शामिल पूर्व सरपंच उगमाराम जाजूंन्दा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि प्रशासन ने उन्हें आश्वस्त किया है कि किसानों की करीब 3000 बीघा जमीन उन्हीं के खाते में यथावत रहेगी। उन्होंने बताया कि यह जमीन पिछले 40 सालों से किसानों के पास थी, जिसे सिंचाई विभाग द्वारा लिए जाने का प्रयास किया जा रहा था। अपनी मांगों को लेकर आर-पार की लड़ाई का मन बना चुके किसानों ने प्रशासन को सख्त चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उनकी सभी न्यायसंगत मांगें पूरी नहीं की गईं, तो वे आमरण अनशन पर बैठने को मजबूर होंगे।

नागौर के सत्येन्द्र चारण को मिलेगा पुरस्कार

जयपुर/चूरू। प्रयास संस्थान चूरू द्वारा राजस्थानी भाषा के पैंतीस वर्ष से कम के युवाओं को दिया जाने वाला वार्षिक दुर्गेश युवा पुरस्कार वर्ष 2026 के लिए गांव झोरड़ा, नागौर के युवा कवि सत्येन्द्र चारण को दिया जाएगा। प्रयास संस्थान के संस्थापक डॉ. दुलाराम सहारण ने बताया कि नागौर के गांव झोरड़ा निवासी सत्येन्द्र चारण को उनकी काव्यकृति 'भींत भरोसै री' के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। संस्थान सचिव कमल शर्मा ने बताया कि युवा कवि चारण को चूरू में प्रस्तावित समारोह में पुरस्कार स्वरूप इक्कावन सौ रुपये नगद, शॉल, श्रीफल और मानपत्र प्रदान किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चूरू के दिवंगत साहित्यकार दुर्गेश की स्मृति में संस्थान द्वारा वर्ष 2016 से पुरस्कार देना प्रारंभ हुआ था।

पचपदरा रिफाइनरी की क्रूड ऑयल पाइप लाइन में सेंध, अंतर्राज्यीय गैंग का खुलासा

गुजरात एटीएस ने आठ आरोपियों को दबोचा, दो टैंकर क्रूड ऑयल बेचने का खुलासा हुआ

बालोतरा, (निसं)। पचपदरा रिफाइनरी की क्रूड ऑयल पाइपलाइन से तेल चोरी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का गुजरात एटीएस ने पर्दाफाश किया है। एटीएस की टीम ने कार्रवाई करते हुए गिरोह से जुड़े आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बाद स्थानीय स्तर पर भी सुरक्षा व्यवस्था और पाइपलाइन की निगरानी को लेकर सवाल खड़े हुए हैं।

- आरोपियों ने बालोतरा जिले के कालूडी गांव के पास सुनसान स्थान को अपना ठिकाना बनाया था
- बताया जा रहा है कि गिरोह के सदस्य करीब छह माह से पाइपलाइन की लगातार रेकी कर रहे थे और मौका मिलते ही चोरी करते थे
- जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने पाइपलाइन से चुराए गए करीब दो टैंकर क्रूड ऑयल को बाजार में बेच दिया

प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपियों ने बालोतरा जिले के कालूडी गांव के पास सुनसान स्थान को अपना ठिकाना बनाया था। यहां गड्ढा खोदकर मुख्य क्रूड ऑयल पाइपलाइन में सेंध लगाई गई। बताया जा रहा है कि गिरोह के सदस्य करीब छह माह से पाइपलाइन की लगातार रेकी कर रहे थे और मौका मिलते ही चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों ने पाइपलाइन से चुराए गए करीब दो टैंकर क्रूड ऑयल को बाजार में बेच दिया। एटीएस अब तेल के खरीदारों और चोरी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाने में लगी है।

गुजरात एटीएस की कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान घनश्याम सोनी निवासी मेहसाणा, रमेश ठाकोर निवासी चालासन, सुरेजी ठाकोर, महेश ठाकोर, जयसिंह चूडास्मा निवासी राजकोट, मुकेश मेघवाल मूल निवासी जालोर व हाल अहमदाबाद, रणजीत चौरसिया निवासी गांधीनगर तथा दिलीप यादव निवासी इटावा, उत्तर प्रदेश के रूप में बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों से एटीएस और स्थानीय पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि पूछताछ में क्रूड ऑयल खरीदने वाले लोगों के साथ-साथ गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों और नेटवर्क का भी खुलासा हो सकता है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि पाइपलाइन में सेंध लगाने के लिए किस तकनीक और उपकरणों का इस्तेमाल किया गया तथा चोरी के तेल को कहां-कहां खपाया गया। इस कार्रवाई से रिफाइनरी क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और महत्वपूर्ण पाइपलाइनों की निगरानी को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। जांच पूरी होने के बाद मामले में और गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई जा रही है।

सांभर में भैरव मंदिर का फिर टूटा ताला

सांभरझील, (निसं)। सांभर सब्जी मंडी की छोर पर स्थित भैरव मंदिर के एक से अधिक बार ताला तोड़कर चोरी करने वालों का आज दिन तक सुराग नहीं लग सका है। यह पुलिस के लिए भी एक चुनौती बन गई है, जो नगर की रखवाली के लिए प्रमुख रूप से अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। भैरव मंदिर के प्रमुख संरक्षक जो की टेलर परिवार से जुड़े हुए हैं और यह भैरव मंदिर उनके घर के सामने ही है और चोरों का अथवा शरारती तत्वों का हौसला इतना बढ़ गया है कि वे ऐसी वारदात को अंजाम देने से भी नहीं चूक रहे। कुछ समय पहले इस मंदिर में चोरों ने भैरुजी के चांदी के छत्रों और नगदी पर हाथ साफ कर लिया था, उसके बाद से आज तक इन चोरों का पता चल सका है और न ही चुराई गई सामग्री बरामद हो सकी है। इसके बाद से लगातार अनेक दफा ताला तोड़ने का सिलसिला बना हुआ है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा है। टेलर परिवार व पूर्व पार्षद विष्णु कुमार सिंघानिया बताते हैं कि एक से अधिक बार इस मंदिर के ताले टूटना यहां के आस्थावान लोगों पर गहरी चोट है।

कृषि विभाग के सात अधिकारी सहित 15 नामजद एसीबी के राडार पर

बीकानेर, (निसं)। 15 करोड़ रुपए के सीज किए मूंगफली के नकली बीज वापस गुजरात भेजने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले ढाई करोड़ रुपए की घूस लेने के मामले में कृषि विभाग के सात अधिकारियों सहित 15 नामजद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के राडार पर हैं। 27 मई को गुजरात निवासी कपाड़िया किरणभाई नारायणभाई के मूंगफली बीज गोदाम पर सर्च कार्रवाई की गई थी। उसके बाद गोदाम में रखे नकली बीजों को वापस गुजरात ले जाने की अनुमति देने में मदद के बदले राजस्थान राज्य बीज निगम के अधिकारियों और अन्य ने रिश्वत ली।

- 15 करोड़ के सीज किए मूंगफली के नकली बीज वापस गुजरात भेजने और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के बदले ढाई करोड़ रुपए की घूस लेने का मामला

एसीबी ने अब तक माना है कि ढाई करोड़ रुपए की रिश्वत ली गई। जयपुर के एएसपी महेंद्र कुमार गुप्ता ने पिछले दिनों छह आरोपियों के खिलाफ आरोप प्रमाणित मानते हुए कोर्ट में चालान पेश किया था। कृषि विभाग के सात आला अधिकारियों सहित 15 नामजद किए गए हैं, जिनके खिलाफ एसीबी ने कृषि विभाग के 7 संयुक्त और अतिरिक्त निदेशकों, प्रयोगशाला कर्मचारियों, हवाला कारोबारियों तथा मुख्य डीलरों के खिलाफ अनुसंधान पेंडिंग रखा है।

गौरतलब है कि राजस्थान राज्य बीज निगम के तत्कालीन गैर-सरकारी निदेशक जुगल किशोर बिश्नोई, फलौदी विधायक के पीए गणपत, गुजरात के बीज कारोबारी किरण कपाड़िया, बिचौलिए सतपाल सिंह जज, सुनील कुमार सेतिया और जुगल के भांजे स्वतंत्र कुमार ज्याणी के खिलाफ चार्जशीट पेश की जा चुकी है। बीकानेर स्थित जुगल किशोर के किराए के मकान पर जब एसीबी ने छापा मारा तो परिजनों ने गेट बंद कर विरोध किया और रुपयों से भरा कट्टा छत से पीछे खाली प्लॉट में फेंक दिया। एसीबी टीम ने पड़ोसी मकान के लेट-बाथ और कट्टों से 1.60 करोड़ रुपए से अधिक कैश जब्त किया।

नदी के तेज बहाव में से स्कूल जाने को मजबूर हैं विद्यार्थी, हादसे का अंदेशा

छबड़ा, (निसं)। पीपली सरहद से तेलनी हाई सैकेंडरी स्कूल में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सामने आई है। बरसात के दौरान पीपली सरहद और तेलनी के बीच स्थित नदी में तेज बहाव आने के बावजूद विद्यार्थी जान जोखिम में डालकर नदी पार कर स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं। ऐसे में हादसा होने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के समय नदी का जलस्तर बढ़ने से आवागमन बेहद जोखिमभरा हो जाता है। इस समस्या से प्रशासन को पहले भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक स्थाई समाधान नहीं होने से विद्यार्थियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

- पीपली सरहद से तेलनी हाई सैकेंडरी स्कूल जाने वाले बच्चों की सुरक्षा पर उठे सवाल

नदी में तेज बहाव आने के बावजूद विद्यार्थी नदी पार कर स्कूल पहुंचने को मजबूर हैं।

पूर्व विधायक करणसिंह राठौड़ ने कहा यदि समय रहते विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो किसी गंभीर हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन को तत्काल मौके का निरीक्षण कर बरसात के दौरान सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से नदी के उफान के दौरान विद्यार्थियों के लिए वैकल्पिक मार्ग अथवा सुरक्षित आवागमन की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की।

दूसरी मंजिल से गिरकर मजदूर की मौत

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में पुताई का काम करते समय दूसरी मंजिल से गिरने से घायल हुए मजदूर की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जवाहर नगर क्षेत्र के तलवंडी इलाके में दो मंजिला मकान पर ओमप्रकाश कलर-पुताई का काम करते समय अचानक से झूला टूटने से सिर के बल नीचे गिर गया, जिसे उसके साथियों ने उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज दौरान उसकी मौत हो गई। जवाहर नगर थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि ओमप्रकाश ठेकेदार के पास कलर-पुताई का काम करता था, तलवंडी में दो मंजिला मकान पर पुताई करते समय झूले की रस्सी टूटने से ओमप्रकाश नीचे गिर गया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विराटनगर तहसीलदार सहित तीन जनों को 55 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

पावटा, (निसं)। विराटनगर तहसील कार्यालय में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए तहसीलदार समेत तीन लोगों को रिश्वत लेते रंगे हाथों ट्रैप किया। कार्रवाई से तहसील कार्यालय में हड़कंप मच गया।

एसीबी ने तहसीलदार संजय कुमार, कनिष्ठ सहायक देवी लाल और कथित दलाल अशोक को 55 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा है। आरोप है कि परिवादी से रजिस्ट्री से जुड़े काम को पूरा करने के एवज में एक लाख रुपए की रिश्वत की मांग की गई थी। बाद में 55 हजार रुपए में सौदा तय हुआ। एसीबी एएसपी प्रशांत कौशिक के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसने विराटनगर तहसील कार्यालय में रजिस्ट्री करवाई थी, लेकिन करीब दो महीने बीत जाने के बावजूद उसे रजिस्ट्री उपलब्ध नहीं कराई जा रही थी। परिवादी का आरोप था कि वह लगातार संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर रहा था, लेकिन उसका काम आगे नहीं बढ़ रहा था। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने मामले का सत्यापन करवाया। सत्यापन के दौरान रिश्वत की मांग की पुष्टि होने पर एसीबी ने ट्रैप की योजना बनाई। बुधवार को तय योजना के तहत एसीबी की टीम ने कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ सहायक देवी लाल, कथित दलाल अशोक और तहसीलदार संजय कुमार को 55 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। कार्रवाई के बाद एसीबी टीम विराटनगर तहसील कार्यालय में दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच में जुटी हुई है। एसीबी की कार्रवाई के बाद अब रिश्वत प्रकरण से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्तता को लेकर भी जांच की जा रही है।

तहसीलदार संजय कुमार, कनिष्ठ सहायक देवी लाल और कथित दलाल अशोक को गिरफ्तार किया।

- रजिस्ट्री देने के लिए एक लाख रुपये मांगे थे, सत्यापन के बाद 55 हजार में सौदा तय हुआ

सलूम्बर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी 10 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की उदयपुर इकाई ने बुधवार को कार्रवाई करते हुए सलूम्बर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में तैनात खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी को 10 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह ने परिवादी से उसके दो प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर कार्रवाई करने का डर दिखाकर साल में दो बार बंधी के रूप में कुल 20-20 हजार रूपए रिश्वत मांगी थी।

- परिवादी से दो प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर कार्रवाई करने का डर दिखाकर बंधी के रूप में साल में दो बार 20-20 हजार रूपए की रिश्वत मांगी थी

एसीबी के अनुसार, परिवादी ने 10 जुलाई को उदयपुर एसीबी कार्यालय में शिकायत दी थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि सलूंबर में ग्राम डगार स्थित उसकी पुश्तैनी किराणा दुकान और सलूम्बर की गौण कृषि उपज मंडी स्थित कोका-कोला कोल्ड ड्रिंक एजेंसी पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण एवं सैंपल लेने के नाम पर दबाव बनाया जा रहा था।

परिवादी ने आरोप लगाया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी जुर्माना लगाने, प्रकरण दर्ज करने और जेल भिजवाने की धमकी देकर दोनों प्रतिष्ठानों के लिए साल में दो बार कुल 20-20 हजार रुपये रिश्वत की मांग कर रहा है। एसीबी के मुताबिक 9 जून को आरोपी घनश्याम सिंह अपनी टीम के साथ परिवादी की ग्राम डगार स्थित किराणा दुकान पर पहुंचा था। निरीक्षण के दौरान घी, मिल्क फूड के चार पैकेट सैंपल के रूप में लिए गए और नोटिस भी जारी किया गया। इसके बाद आरोपी ने कथित तौर पर दुकान और एजेंसी को शांतिपूर्वक संचालित करने के लिए दोनों स्थानों के लिए साल में दो बार रुपये देने की मांग की। रिश्वत नहीं देने पर प्रकरण दर्ज कर जेल भेजने की धमकी देने का भी आरोप है। शिकायत की जांच के दौरान एसीबी ने रिश्वत की मांग का सत्यापन कराया। इस दौरान आरोपी द्वारा परिवादी से रिश्वत राशि मांगने की पुष्टि हुई।

सत्यापन के दौरान आरोपी ने अपने सरकारी अनुबंधित वाहन में परिवादी से डगार स्थित दुकान की पहली किश्त के 10 हजार रुपये वसूल लिए जबकि सलूम्बर मंडी स्थित कोल्ड ड्रिंक एजेंसी के 10 हजार रुपये की रिश्वत राशि बाद में लेने की बात तय हुई। मांग की पुष्टि के बाद ट्रैप टीम गठित की गई। टीम ने कार्रवाई करते हुए खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम सिंह सोलंकी को उसके कार्यालय परिसर में परिवादी से 10 हजार रुपये नकद रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।